हिंदी व्याकरण मेघना-7

1. भाषा, व्याकरण और लिपि

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. लिखित रूप भाषा को क्या प्रदान करता है?
   (अ) मूल ☐ (ब) शिक्षा ☐ (स) स्थायित्व 3 (द) विशेषता ☐
2. भारत के संविधान में कितनी भाषाओं को मान्यता प्राप्त है?
   (अ) 15 ☐ (ब) 14 ☐ (स) 17 ☐ (द) 22 3
3. ध्वनि चिह्नों के लिखने के ढंग को क्या कहते हैं?
   (अ) भाषा ☐ (ब) लिपि 3 (स) बोली ☐ (द) उपभाषा ☐
4. भाषा को नियमों में बाँधने का काम कौन करता है?
   (अ) वाक्य ☐ (ब) बोली ☐ (स) व्याकरण 3 (द) लिपि ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. भाषा वह साधन है, जिसके द्वारा हम बोलकर, सुनकर, लिखकर या पढ़कर अपने भावों या विचारों का आदान-प्रदान करते हैं।
   भाषा के मुख्यतः दो रूप होते हैं– 1. मौखिक 2. लिखित भाषा
2. भाषा का क्षेत्रीय रूप बोली कहलाता है।
3. मौखिक भाषा में हम कुछ ध्वनियों का उच्चारण करते हैं। इन ध्वनियों को लिखित रूप प्रदान करने के लिए कुछ चिह्नों की आवश्यकता होती है। इन ध्वनि चिह्नों को लिखने के ढंग या तरीके को ही लिपि कहते हैं।
4. व्याकरण शब्द (वि + आ + करण) के योग से बना है, जिसका अर्थ है– भली-भाँति समझना। व्याकरण वे नियम हैं, जिनके द्वारा हम भाषा को शुद्ध रूप से लिखना, पढ़ना व बोलना सीखते हैं।

ग. निम्नलिखित का उचित सुमेल कीजिए–

1. मराठी	अ. फ़ारसी
2. अंग्रेज़ी	ब. गुरुमुखी
3. उर्दू	स. बांग्ला
4. पंजाबी	द. देवनागरी
5. बंगाली	य. रोमन

घ. इंटरनेट से पता करके लिखिए कि इन राज्यों में कौन-सी भाषाएँ बोली जाती हैं?

केरल – **मलयालम** गुजरात – **गुजराती** असम – **असमिया**
महाराष्ट्र – **मराठी** उत्तराखंड – **गढ़वाली, कुमाऊनी** कर्नाटक – **कन्नड़**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

2. वर्ण-विचार

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. भाषा की सबसे छोटी ध्वनि को क्या कहते हैं?
   (अ) पद ☐ (ब) शब्द ☐ (स) वर्ण [3] (द) वाक्य ☐
2. अंग्रेज़ी के प्रभाव से कौन-सा स्वर हिंदी में स्थान बना चुका है?
   (अ) ऑ [3] (ब) ई ☐ (स) ऋ ☐ (द) ऌ ☐
3. इनमें से सही क्रम कौन-सा है?
   (अ) य, व, ल, र ☐ (ब) य, र, ल, व [3]
   (स) य, ल, र, व ☐ (द) य, व, र, ल ☐
4. इनमें से कौन-सा शब्द संयुक्त व्यंजन के प्रयोग वाला है?
   (अ) कागज़ ☐ (ब) जन्म [3] (स) पगड़ी ☐ (द) चढ़ना ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. हिंदी में ग्यारह (11) स्वर होते हैं– अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।
2. स्वर के तीन भेद होते हैं–
   1. **ह्रस्व स्वर–** जिन स्वरों के उच्चारण में कम-से-कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं। इन्हें मूल स्वर भी कहते हैं। ये चार (4) हैं– अ, इ, उ, ऋ।
   2. **दीर्घ स्वर–** जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर से दुगुना समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। ये सात (7) हैं– आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।
   3. **प्लुत स्वर–** जिनके उच्चारण में दीर्घ स्वर से भी अधिक समय लगता है, उन्हें प्लुत स्वर कहते हैं। इसका प्रयोग संस्कृत में अधिक होता है। प्लुत स्वर प्रकट करने के लिए ३ संख्या का चिह्न अंकित करते हैं; जैसे– ओ३म।
3. जिन व्यंजनों को बोलते समय वायु मुँह के किसी भाग से रगड़ खाती हुई निकलती है, उन्हें ऊष्म व्यंजन कहते हैं। ये चार (4) होते हैं– श्, ष्, स्, ह्।
4. **संयुक्त व्यंजन–** दो व्यंजनों के योग को संयुक्त व्यंजन कहते हैं। हिंदी में चार (4) संयुक्त व्यंजन हैं–

संयुक्त व्यंजन	क् + ष = क्ष	त् + र = त्र	ज् + ञ = ज्ञ	श् + र = श्र
उदाहरण	क्षमा, कक्षा	पत्र, छत्र	ज्ञान, अज्ञात	श्रम, विश्राम

द्वित्व व्यंजन– जब हलंत व्यंजन ध्वनि अपने समान अन्य व्यंजन ध्वनि से संयुक्त होती हैं, तो उसे द्वित्व व्यंजन कहते हैं; जैसे–

क्	+	क	=	क्क	पक्का	च् + च	=	च्च	सच्चा
ज्	+	ज	=	ज्ज	सज्जा	त् + त	=	त्त	पत्ता
ट्	+	ट	=	ट्ट	मिट्टी	द् + द	=	द्द	गद्दा

5. किसी शब्द के एक-एक स्वर और व्यंजन को क्रम के अनुसार अलग करके लिखना वर्ण-विच्छेद कहलाता है; जैसे–
   वार्षिक = व् + आ + र् + ष् + इ + क् + अ
   गृहिणी = ग् + ऋ + ह् + इ + ण् + ई

उज्ज्वल = उ + ज् + ज् + व् + अ + ल् + अ
क्षितिज = क् + ष् + इ + त् + इ + ज् + अ

ग. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. व्यंजन के साथ **स्वर** मात्रा रूप में जुड़ते हैं। 2. दीर्घ स्वर **सात** होते हैं।
3. मूल स्वर **चार** होते हैं। 4. श, ष, स, ह **ऊष्म** व्यंजन हैं।
5. **श** अंतःस्थ व्यंजन नहीं है।

घ. नीचे दिए गए कथनों में सही के सामने (3) तथा गलत के सामने (7) का निशान लगाइए–

1. य, र, ल, व संयुक्त व्यंजन हैं। [7]
2. ऑ, ज़, फ़ आगत ध्वनियाँ हैं। [3]
3. ए, ओ दीर्घ स्वर हैं। [3]
4. स्वरों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है। [3]
5. अं और अः अयोगवाह वर्ण हैं। [3]

ङ. दिए गए वर्णों के योग से कौन-सा शब्द बनता है? सही शब्द के सामने सही (3) का निशान लगाइए–

1. व् + ॠ + क् + ष् + अ
   (अ) वर्ष [ ] (ब) वर्षा [ ] (स) वृक्ष [3] (द) वृक्षा [ ]
2. क् + अ + र् + म् + अ
   (अ) करम [ ] (ब) कर्म [3] (स) क्रम [ ] (द) कर्मा [ ]
3. क् + अ + ल् + आ
   (अ) कला [3] (ब) काल [ ] (स) काला [ ] (द) कल [ ]
4. द् + र् + अ + व् + य + अ
   (अ) द्रव [ ] (ब) दख [ ] (स) द्रव्य [3] (द) दरव्य [ ]
5. श् + र् + अ + म् + अ
   (अ) शर्म [3] (ब) शरम [ ] (स) शर्मा [ ] (द) श्रम [ ]

च. दिए गए संयुक्त व्यंजन किन-किन वर्णों के योग से बने हैं?

1. क्ष – **क् + ष** 2. त्र – **त् + र** 3. ज्ञ – **ज् + ञ** 4. श्र – **श् + र**
5. प्र – **प् + र** 6. दृ – **द् + ऱ्** 7. ट्र – **ट् + र** 8. स्र – **स् + ऱ्**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

3. संधि

क. सही संधि-विच्छेद पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. महोत्सव

(अ) मह + उत्सव ☐ (ब) महो + उत्सव ☐
(स) महा + उत्सव [3] (द) महोत् + सव ☐

2. स्वच्छ

(अ) सु + अच्छ [3] (ब) स्व + अच्छ ☐
(स) सू + अच्छ ☐ (द) स्वा + अच्छ ☐

3. तल्लीन

(अ) तल् + लीन ☐ (ब) तत् + लीन [3]
(स) तत + लीन ☐ (द) तल + लीन ☐

4. अत्युत्तम

(अ) अ + त्युत्तम ☐ (ब) अत् + उत्तम ☐
(स) अति + युत्तम ☐ (द) अति + उत्तम [3]

5. रजनीश

(अ) रज + नीश ☐ (ब) रजनी + ईश [3]
(स) रजन + ईश ☐ (द) रजनी + श ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. दो वर्णों के परस्पर मेल से जो विकार (परिवर्तन) होता है, उसे संधि कहते हैं।
संधि के तीन भेद होते हैं– 1. स्वर संधि 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि
2. संधि से बने शब्दों को फिर से अलग करने को संधि-विच्छेद कहते हैं; जैसे–
• सुरेंद्र – सुर + इंद्र • महोत्सव – महा + उत्सव
3. दो स्वरों के मेल से जो परिवर्तन होता है, उसे स्वर संधि कहते हैं; जैसे–
• दया + आनंद = दयानंद • पर + उपकार = परोपकार
स्वर संधि के पाँच भेद होते हैं–
1. दीर्घ संधि 2. गुण संधि 3. वृद्धि संधि 4. यण संधि 5. अयादि संधि
4. किसी व्यंजन के बाद कोई स्वर अथवा व्यंजन आने पर उनमें जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं; जैसे–
• सत् + आचार = सदाचार • सत् + जन = सज्जन
5. विसर्ग के बाद किसी स्वर या व्यंजन के आने पर विसर्ग में जो परिवर्तन होता है, उसे विसर्ग संधि कहते है जैसे–
• मन : + अनुकूल = मनोनुकूल • मन : + बल = मनोबल

ग. सही संधियुक्त शब्द के सामने सही (3) का निशान लगाइए–

(क) पौ + अन — पावन ☐ / पवन [3]

(ख) तथा + एव — तथैव [3] / तथेव ☐

(ग) उत् + ज्वल — उज्जवल [3] / उज्ज्वल [ ]   (घ) सु + आगत — सुआगत [ ] / स्वागत [3]

(ङ) महा + ईश — महीश [ ] / महेश [3]   (च) एक + एक — एकैक [3] / एकेक [ ]

घ. दिए गए शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए–

गिरीश	—	**गिरि**	+	**ईश**	व्यूह	—	**वि**	+	**ऊह**
महेश	—	**महस**	+	**ईश**	गायक	—	**गै**	+	**अक**
देवर्षि	—	**देव**	+	**ऋषि**	जगन्नाथ	—	**जगत्**	+	**नाथ**
भानूदय	—	**भानु**	+	**उदय**	दिगंबर	—	**दिक्**	+	**अंबर**
सदैव	—	**सदा**	+	**एव**	सज्जन	—	**सत्**	+	**जन**

ङ. दिए गए शब्दों को संधि के अनुसार सही शीर्षक के नीचे लिखिए–

स्वर संधि	–	हिमालय	नरेश	प्रत्येक	धमार्थ	नायक
व्यंजन संधि	–	उल्लेख	सम्मान	संशय	दिग्गज	उच्छ्वास
विसर्ग संधि	–	अधःपतन	प्रातःकाल	मनोरथ	दुस्साहस	नीरस

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

4. शब्द-विचार

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. शब्द किसे कहते हैं?
   (अ) व्यंजनों के सार्थक मेल को [ ]   (ब) स्वरों के सार्थक मेल को [ ]
   (स) वर्णों के सार्थक मेल को [3]   (द) स्वरों के व्यवस्थित मेल को [ ]
2. जब शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है, तो उसे क्या कहते हैं?
   (अ) शब्द [ ]   (ब) पद [3]   (स) वाक्य [ ]   (द) वर्ण [ ]
3. रचना के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं?
   (अ) चार [ ]   (ब) दो [ ]   (स) तीन [3]   (द) पाँच [ ]
4. इनमें से कौन-सा शब्द तत्सम है?
   (अ) नाच [ ]   (ब) घर [ ]   (स) कान [ ]   (द) नृत्य [3]
5. 'लीची' शब्द किस भाषा से आया है?
   (अ) अंग्रेज़ी [ ]   (ब) फ़ारसी [ ]   (स) अरबी [ ]   (द) चीनी [3]
6. तद्भव शब्द किन शब्दों के रूप में बदलकर बने हैं?
   (अ) अंग्रेज़ी [ ]   (ब) फ़ारसी [ ]   (स) अरबी [ ]   (द) संस्कृत [3]

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. दो या दो से अधिक वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।
2. उत्पत्ति के आधार पर शब्द पाँच प्रकार के पाए जाते हैं–
   1. तत्सम (संस्कृत) 2. तद्भव (संस्कृत से बने) 3. देशज (देशी)
   4. विदेशी (दूसरी भाषाओं से आए) 5. संकर (मिश्रित) शब्द
3. प्रयोग के आधार पर शब्द के दो भेद हैं– 1. विकारी शब्द, 2. अविकारी शब्द

ग. निम्नलिखित शब्दों को सही शीर्षक के नीचे लिखिए–

तत्सम	–	घृत	जिह्वा	निद्रा	नासिका	उलूक
तद्भव	–	कबूतर	साँप	चाँद	माथा	छाता
देशज	–	पगड़ी	लोटा	झाड़ू	खिचड़ी	चिड़िया
विदेशी	–	कॉलेज	दरवाज़ा	क्रिकेट	बैंक	चाय

घ. निम्नलिखित तत्सम शब्दों के तद्भव शब्द लिखिए–

ग्राम	—	**गाँव**	छत्र	—	**छाता**	कर्ण	—	**कान**	गर्दभ	—	**गधा**
कोकिल	—	**कोयल**	वधू	—	**बहू**	शत	—	**सत**	सप्त	—	**सात**
हस्त	—	**हाथ**	पक्ष	—	**पंख**	पत्र	—	**चिट्ठी**	मृत्तिका	—	**मिट्टी**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

5. शब्द-भंडार

1. पर्यायवाची या समानार्थी शब्द

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. इनमें से कौन-सा शब्द 'उन्नति' का पर्यायवाची नहीं है?
   (अ) प्रगति ☐ (ब) तरक्की ☐ (स) अभिमान [3] (द) उत्थान ☐
2. इनमें से कौन-सा शब्द 'सूरज' का पर्यायवाची नहीं है?
   (अ) भानु ☐ (ब) राकेश [3] (स) रवि ☐ (द) भास्कर ☐
3. इनमें से कौन-सा शब्द 'पत्नी' का पर्यायवाची है?
   (अ) स्त्री ☐ (ब) महिला ☐ (स) भार्या [3] (द) औरत ☐
4. इनमें से कौन-सा शब्द 'बादल' का पर्यायवाची है?
   (अ) मेघ [3] (ब) जलज ☐ (स) नीरज ☐ (द) अंबुज ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. लगभग एकसमान अर्थ देने वाले शब्दों को पर्यायवाची या समानार्थी शब्द कहते हैं।
2. पर्यायवाची शब्दों का दूसरा नाम समानार्थी शब्द है।

ग. दिए गए शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

1. अश्व – **हय तुरंग वाजि** 2. कमल– **जलज नीरज राजीव**
3. मित्र – **मीत सखा सहचर** 4. जल – **नीर वारि पय**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

2. विपरीतार्थक या विलोम शब्द

क. सही विलोम शब्द पर (3) का चिह्न लगाइए—

1. ठोस

(अ) जल ☐	(ब) तरल [3]	(स) नरम ☐	(द) कोमल ☐

2. उत्थान

(अ) उठना ☐	(ब) उड़ना ☐	(स) पतन [3]	(द) उन्नति ☐

3. संयोग

(अ) वियोग [3]	(ब) मेल ☐	(स) मिलन ☐	(द) मिलाप ☐

4. निंदा

(अ) तारीफ़ ☐	(ब) भलाई ☐	(स) बुराई ☐	(द) स्तुति [3]

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

1. एक-दूसरे के विपरीत अर्थ प्रकट करने वाले शब्दों को विपरीतार्थक या विलोम शब्द कहते हैं।
2. विपरीत शब्दों को विलोम शब्द के नाम से भी जानते हैं।
3. विपरीतार्थक शब्द बनाते समय यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि तत्सम शब्द का विलोम तत्सम, तद्भव का तद्भव तथा देशज शब्द का विलोम देशज ही हो।

ग. रंगीन शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए—

1. पर्वत ठोस है और सागर **तरल**।
2. भक्षक से **रक्षक** श्रेष्ठ होता है।
3. आय के हिसाब से ही **व्यय** करना चाहिए।
4. सबका मान करो, किसी का भी **अपमान** मत करो।
5. इस संसार में सज्जन और **दुर्जन** दोनों तरह के लोग मौजूद हैं।

घ. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए—

1. कपटी – **निष्कपट**	2. ऊँच – **नीच**	3. गृहस्थ – **संयासी**
4. यश – **अपयश**	5. नवीन – **प्राचीन**	6. उदय – **अस्त**
7. उपकार – **अपकार**	8. पक्ष – **विपक्ष**	9. सजीव – **निर्जीव**
10. विष – **अमृत**	11. सदुपयोग – **दुरुपयोग**	12. निर्गुण – **सगुण**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

3. अनेकार्थक शब्द

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. इनमें से 'कल' शब्द का अर्थ है–
   (अ) मशीन [3] (ब) काल [ ] (स) समय [ ] (द) दुःख [ ]
2. 'गुरु' शब्द के अर्थ हैं–
   (अ) भारी, चाल [ ] (ब) शिक्षक, महान [3]
   (स) महान, दशा [ ] (द) शिक्षक, गहरा [ ]
3. 'गौ' शब्द के अर्थ हैं–
   (अ) स्वर्ग, गाय [3] (ब) गाय, हाथ [ ] (स) पृथ्वी, बड़ा [ ] (द) स्वर्ग, कपड़ा [ ]
4. 'गुण' शब्द के अर्थ हैं–
   (अ) धर्म, बाण [ ] (ब) रस्सी, धर्म [3]
   (स) विशेषता, डंडा [ ] (द) स्वभाव, पत्ता [ ]

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. एक से अधिक अर्थ देने वाले शब्द अनेकार्थक शब्द कहलाते हैं।
2. घन के दो अन्य अर्थ हैं–गहरा, हथौड़ा।
3. 'बाण' और 'किनारा' तीर शब्द के अर्थ हैं।

ग. दिए गए शब्दों के तीन-तीन अर्थ लिखिए–

1. अनंत – **अविनाशी आकाश विष्णु** 2. कनक – **सोना गेहूँ धतूरा**
3. दंड – **सजा व्यायाम डंडा** 4. काल – **समय मृत्यु अवसर**
5. गति – **दशा चाल मोक्ष**

घ. निम्नलिखित शब्दों के दो भिन्न-भिन्न अर्थ लिखकर वाक्यों के द्वारा स्पष्ट कीजिए–

1. कर
   - **हाथ** — **प्रवीण ने अपने हाथों से खाना खिलाया।**
   - **टैक्स** — **सरकार द्वारा व्यापारियों से टैक्स लिया जाता है।**
2. जल
   - **जलना** — **दुकान में रखा कपड़ा आग से जल गया है।**
   - **पानी** — **गाय ने पानी पी लिया है।**
3. अर्थ
   - **धन** — **गगन ने व्यापार से धन कमाया।**
   - **प्रयोजन** — **उनके यहाँ आने का प्रयोजन क्या था?**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

4. श्रुतिसम-भिन्नार्थक शब्द

क. सही अर्थ पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. वारिद
   (अ) बादल [3] (ब) हवा [ ] (स) समुद्र [ ] (द) बहना [ ]

2. सुत

(अ) बेटा 3	(ब) धागा ☐	(स) सारथी ☐	(द) सफ़ेद ☐

3. शौक

(अ) दुःख ☐	(ब) सुख ☐	(स) सूखना ☐	(द) चाव 3

4. प्रमाण

(अ) पानी ☐	(ब) सबूत 3	(स) हाथ ☐	(द) पाँव ☐

5. निधन

(अ) गरीब ☐	(ब) मृत्यु 3	(स) धनवान ☐	(द) दरिद्र ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

1. हिंदी भाषा में कुछ शब्द बोलने और सुनने में बहुत थोड़े-से अंतर के कारण समान प्रतीत होते हैं, परंतु उनके अर्थ में अंतर होता है। ऐसे शब्दों को श्रुतिसम-भिन्नार्थक शब्द कहते हैं।
2. 'ओर' का अर्थ तरफ होता है व 'और' का अर्थ तथा होता है।

ग. उपयुक्त शब्दों के द्वारा वाक्य पूरे कीजिए—

1. बूढ़े का **निधन** हो गया।
2. उसका रोग **चरम** सीमा पर था।
3. इसके **समान** दूसरा **सामान** दे दो।
4. दुर्योधन ने **दूत** के द्वारा पांडवों को **द्यूत** क्रीडा का निमंत्रण भेजा।
5. नितिन के पिता की **दशा** अब पहले से ठीक है।
6. भारतीय सेना के **जवान** बहादुरी से लड़े।

घ. दिए गए शब्दों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि इनका अर्थ स्पष्ट हो जाए—

1. (i) अपेक्षा – **कुणाल के पिता की यह अपेक्षा थी कि वह अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो।**
   (ii) उपेक्षा – **सचिन ने शिक्षकों की उपेक्षा की।**
2. (i) दिन – **मेरा दिन सुबह पाँच बजे से शुरु होता है।**
   (ii) दीन – **दीन व्यक्तियों की सहायता करनी चाहिए।**
3. (i) चर्म – **आर्युवेद में चर्म रोगों का इलाज संभव है।**
   (ii) चरम – **सैनिकों की तैयारी चरम सीमा पर थी।**
4. (i) शुक्ल – **आचार्य शुक्ल ने कहा है कि वे धन्य हैं।**
   (ii) शुल्क – **स्कूल में विलम्ब पहुँचने के कारण छात्रों से शुल्क लिया गया।**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

5. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

क. वाक्यांशों के लिए सही एक शब्द पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. जिसका वर्णन न किया जा सके–
   (अ) अशक्य ☐ (ब) असह्य ☐ (स) असंभव ☐ (द) अवर्णनीय [3]
2. जो खाने योग्य न हो–
   (अ) अखाद्य [3] (ब) अज्ञेय ☐ (स) अग्राह्य ☐ (द) अपार ☐
3. जो कम व्यय करता हो–
   (अ) सुविज्ञ ☐ (ब) विज्ञ ☐ (स) अज्ञ ☐ (द) अल्पव्ययी [3]
4. जिसका आदि न हो–
   (अ) इत्यादि ☐ (ब) आदि ☐ (स) अनादि [3] (द) अनारंभ ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करने से भाषा प्रभावशाली तथा संक्षिप्त बनती है।
2. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द को वाक्यांशबोधक शब्द भी कहते हैं।
3. 'जो सब जगह व्याप्त हो' के लिए एक शब्द **सर्वव्यापक** होगा।

ग. रंगीन शब्द-समूह के लिए एक शब्द लिखकर वाक्य पुनः लिखिए–

1. विनय विवेक का अनुज है।
2. आत्मा अमर है।
3. वहाँ का दृश्य अलौकिक है।
4. वह राक्षस अपराह्न में आता है।
5. उसकी सुंदरता का उपमेय नहीं है।

घ. अनेक शब्दों के बदले दिए गए एक शब्दों में से सही शब्द पर गोला ◯ लगाइए–

1. हाथ से लिखा हुआ – हस्तगामी हस्तचलित (हस्तलिखित)
2. जो छिपाने योग्य हो – (गोपनीय) गुप्त गुप्तचर
3. अपनी हत्या स्वयं करना – आत्मश्लाघा (आत्महत्या) हत्यारा
4. जो सहन न किया जा सके – सहनशील सहनीय (असहनीय)
5. जो उच्च कुल में पैदा हुआ हो – (कुलीन) कूल कुलजात

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

6. शब्द-निर्माण– उपसर्ग और प्रत्यय

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. इनमें से किस शब्द में 'बे' उपसर्ग नहीं है?
   (अ) बेईमान ☐ (ब) बेरहम ☐ (स) बेल [3] (द) बेकाबू ☐
2. इनमें से किस शब्द में 'नि' उपसर्ग नहीं है?
   (अ) निडर ☐ (ब) निम्नलिखित [3] (स) निहत्था ☐ (द) निकम्मा ☐

3. इनमें से किस शब्द में 'सम्' उपसर्ग नहीं है?
(अ) समान [3] (ब) सम्मान [ ] (स) संहार [ ] (द) संदेश [ ]

4. 'धार्मिक' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(अ) क [ ] (ब) ध [ ] (स) धर्म [ ] (द) इक [3]

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. उपसर्ग वे शब्दांश होते हैं, जो किसी शब्द के पहले लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता ला देते हैं। जैसे–

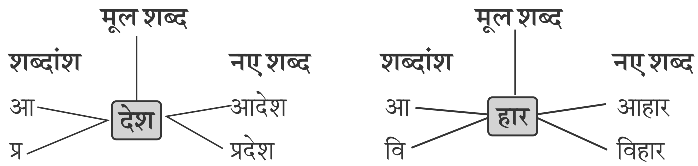

यहाँ एक ही मूल शब्द में अलग-अलग शब्दांश जोड़कर नए शब्द बनाए गए हैं। ये शब्दांश उपसर्ग कहलाते हैं।

2. प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं, जो मूल शब्द के बाद लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन करते हैं या विशेषता ला देते हैं।
   • तैर + अक = तैराक • बेल + न = बेलन
3. प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं– 1. कृत् प्रत्यय और 2. तद्धित प्रत्यय।
4. उपसर्ग व प्रत्यय जुड़े हुए दो शब्द निम्न– 1. अपमानित 2. अनुकरणीय
5. धार्मिकता और सामाजिका शब्दों में दो प्रत्ययों का एक साथ प्रयोग हुआ है।

ग. मूल शब्द और प्रत्यय अलग-अलग कीजिए–

मूल शब्द	**प्रत्यय**	**मूल शब्द**	**प्रत्यय**	**मूल शब्द**	**प्रत्यय**	**मूल शब्द**	**प्रत्यय**
दुकान	दार	परिवार	इक	भारत	ईय	आनंद	इत
लड़	आका	चढ़	आन	बह	आव	पाठ	अक
शौक	ईन	रस	ईला	मीठा	आस	लूट	ऐरा

घ. मूल शब्द में भिन्न-भिन्न उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए–

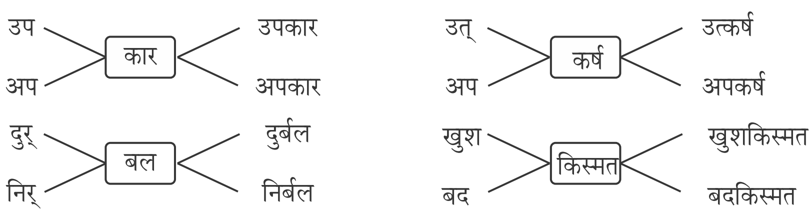

ङ. दिए गए वाक्यों में उपसर्ग तथा प्रत्यय युक्त शब्दों का प्रयोग हुआ है। उन्हें रेखांकित करके सही जगह लिखिए–

वाक्य	**उपसर्ग युक्त शब्द**	**प्रत्यय युक्त शब्द**
1. चित्रकार का सभा में अपमान किया गया।	**अपमान**	**चित्रकार**

2. वह अनपढ़ बूढ़ा बहुत बड़ा जालसाज़ निकला। **अनपढ़** **जालसाज़**
3. दवाखाने में लाइलाज रोगी नहीं रखे जाते। **लाइलाज** **दवाखाना**
4. अपराधी को आजीवन कारावास मिला। **आजीवन** **कारावास**
5. मेधावी छात्रों को सम्मान मिला। **सम्मान** **मेधावी**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

7. समास

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. 'पथभ्रष्ट' में कौन-सा समास है?
   (अ) कर्मधारय समास ☐ (ब) तत्पुरुष समास [3]
   (स) द्विगु समास ☐ (द) अव्ययीभाव समास ☐
2. समस्तपद को तोड़कर लिखना क्या कहलाता है?
   (अ) समास-विग्रह [3] (ब) समास ☐
   (स) उत्तरपद ☐ (द) पूर्वपद ☐
3. 'नीलकंठ' में कौन-सा समास है?
   (अ) द्विगु समास ☐ (ब) तत्पुरुष समास ☐
   (स) बहुव्रीहि समास [3] (द) अव्ययीभाव समास ☐
4. 'भाई-बहन' में कौन-सा समास है?
   (अ) कर्मधारय समास ☐ (ब) द्वंद्व समास [3]
   (स) द्विगु समास ☐ (द) अव्ययीभाव समास ☐
5. 'कमलमुख' में कौन-सा समास है?
   (अ) कर्मधारय समास [3] (ब) तत्पुरुष समास ☐
   (स) द्विगु समास ☐ (द) अव्ययीभाव समास ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. दो या दो से अधिक पदों को मिलाकर एक सार्थक पद बनाने की प्रक्रिया को समास कहते हैं।
2. समस्तपद पद में दो पद होते हैं— 1. पूर्वपद तथा 2. उत्तरपद।
3. समास के छह भेद होते हैं— 1. अव्ययीभाव समास, 2. तत्पुरुष समास, 3. कर्मधारय समास, 4. द्विगु समास, 5. द्वंद्व समास, 6. बहुव्रीहि समास।
4. कर्मधारय समास तथा बहुव्रीहि समास में अंतर–
   कुछ शब्द कर्मधारय समास और बहुव्रीहि समास दोनों के उदाहरण होते हैं। इनका अंतर विग्रह करके निम्न प्रकार स्पष्ट किया जा सकता है–
   - पीतांबर – पीला है जो अंबर (वस्त्र) कर्मधारय समास
   - पीले हैं वस्त्र जिसके अर्थात् कृष्ण बहुव्रीहि समास

उपर्युक्त से स्पष्ट है कि यदि दोनों पदों में विशेषण-विशेष्य या उपमेय-उपमान का भाव हो, तो कर्मधारय समास होता है और यदि दोनों पद प्रधान न होकर कोई अन्य पद प्रधान होता है, तो बहुव्रीहि समास होता है।

5. द्विगु समास तथा बहुब्रीहि समास में निम्न अन्तर हैं–

द्विगु समास– जिस समास में पूर्वपद संख्यावाची विशेषण हो तथा समस्तपद समूह का बोध कराए, उसे द्विगु समास कहते हैं।

बहुब्रीहि समास– जिस समास में दोनों पद किसी तीसरे पद की ओर संकेत करते हैं, उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं।

6. समस्त पद को तोड़कर पूर्व स्थिति में लिखना अर्थात् समस्त पद के बीच के संबंध को स्पष्ट करना समास-विग्रह कहलाता है। जैसे–

यथा शक्ति – शक्ति के अनुसार राजमहल– राजा का महल आदि।

ग. दिए गए शब्दों को छाँटकर उचित समास के नीचे लिखिए–

तत्पुरुष समास	बहुव्रीहि समास	द्वंद्व समास
राजपुत्र	गोपाल	पाप-पुण्य
सेनानायक	पंकज	सीता-राम
हस्तलिखित	तुलसीकृत	ठंडा-गरम
चतुर्भुज	गजानन	अन्न-जल

घ. रंगीन पदों को समस्तपद में बदलकर वाक्य लिखिए–

1. श्रीराम को चौदह वर्ष के लिए वनवास मिला था।
2. लड़का स्वयं बंधनमुक्त हो गया।
3. यह ग्रंथ हस्तलिखित है।
4. प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती।
5. मोहन ग्राम गया है।
6. घुड़सवार ने यात्रियों को लुटेरों से बचाया।

ङ. निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए–

1. आमरण – **मृत्युपर्यंत** **अव्ययीभाव समास**
2. रोगग्रस्त – **रोग से ग्रस्त** **तत्पुरुष समास**
3. गजानन – **गज के समान आनन (मुख)** **बहुब्रीहि समास**
4. गगनचुंबी – **गगन को चूमने वाला** **तत्पुरुष समास**
5. तुलसीकृत – **तुलसी द्वारा रचित** **तत्पुरुष समास**
6. राजमहल – **राजा का महल** **तत्पुरुष समास**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

8. संज्ञा

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. इनमें से कौन-सा शब्द जातिवाचक संज्ञा है?
   (अ) हिमालय ☐ (ब) नदी [3] (स) रामायण ☐ (द) जापान ☐
2. इनमें से 'भक्त' शब्द की भाववाचक संज्ञा कौन-सी है?
   (अ) भक्तपन ☐ (ब) भक्तिन ☐ (स) भक्ति [3] (द) भगत ☐
3. इनमें से 'शिक्षक' शब्द की भाववाचक संज्ञा कौन-सी है?
   (अ) शिक्षित [3] (ब) शिक्षिका ☐ (स) अध्यापक ☐ (द) शिक्षा ☐
4. इनमें से कौन-सा शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा है?
   (अ) हिमालय [3] (ब) पुस्तक ☐ (स) चाँदी ☐ (द) तेल ☐
5. इनमें से कौन-सा शब्द समूहवाचक संज्ञा है?
   (अ) पानी ☐ (ब) नदी ☐ (स) कक्षा [3] (द) लड़का ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
2. संज्ञा के तीन भेद होते हैं– 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा , 2. जातिवाचक संज्ञ, 3. भाववाचक संज्ञा
3. जिन संज्ञा शब्दों से किसी समूह या समुदाय का बोध हो, उन्हें समूहवाचक संज्ञा कहते हैं।
4. जिन संज्ञा शब्दों से किसी द्रव, पदार्थ या धातु का बोध हो, उन्हें द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।
5. भाववाचक संज्ञा शब्दों की रचना निम्नलिखित पाँच प्रकार के शब्दों से की जा सकती है।
   1. संज्ञा से, 2. सर्वनाम से, 3. विशेषण से, 4. क्रिया से, 5. अव्यय से।

ग. निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति कोष्ठक से सही शब्द चुनकर कीजिए–

1. उसकी वाणी में **मिठास** नहीं है। 2. **अहंकार** क्रोध को जन्म देता है।
3. मुझे अपने **बचपन** की बहुत याद आती है। 4. सेना बड़ी **वीरता** से लड़ी।
5. मुझे फूलों की **सजावट** बड़ी अच्छी लगती है। 6. दुष्ट व्यक्ति से न **मित्रता** रखो न शत्रुता।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

9. संज्ञा के विकार

लिंग

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. इनमें से कौन-सा शब्द पुल्लिग नहीं है?
   (अ) सागर ☐ (ब) नदी [3] (स) नाटक ☐ (द) अप्रैल ☐
2. इनमें से कौन-सा शब्द पुल्लिग है?
   (अ) शेरनी ☐ (ब) पंडित [3] (स) सेठानी ☐ (द) रस्सी ☐

3. इनमें से कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग नहीं है?

(अ) उँगली ☐ (ब) नाक ☐ (स) आँख ☐ (द) सोमवार [3]

4. इनमें से कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग है?

(अ) सागर ☐ (ब) धूल [3] (स) ममेरा ☐ (द) मंगलवार ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. शब्द के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री जाति के होने का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं; जैसे– मनुष्य, शेर, मेज, सुराही आदि।
2. हिंदी भाषा में प्रत्येक शब्द या तो पुल्लिग होता है या स्त्रीलिंग होता है। इस प्रकार लिंग के दो भेद होते हैं– 1. पुल्लिग तथा 2. स्त्रीलिंग।
3. **नित्य पुल्लिग शब्द–** कुछ प्राणी पुरुष रूप में जाने जाते हैं; जैसे– मच्छर, तोता, खरगोश, कछुआ, भालू, खटमल, कौआ, बिच्छू, उल्लू, चीता, केंचुआ आदि। इन्हें नित्य पुल्लिग कहते हैं। यदि इनसे स्त्रीलिंग बनाना हो तो इनसे पहले मादा जोड़ दिया जाता है; जैसे– मादा भालू।

   नित्य स्त्रीलिंग शब्द– कुछ प्राणी स्त्री रूप में जाने जाते हैं; जैसे– मक्खी, मछली, कोयल, चिड़िया, चील, मकड़ी, गिलहरी, छिपकली, मैना आदि। इनका पुल्लिग बनाने के लिए नर शब्द जोड़ दिया जाता है; जैसे– नर मक्खी।
4. कुछ शब्द पुल्लिग और स्त्रीलिंग दोनों रूपों में प्रचलित हैं। यदि वे स्त्री के लिए प्रयुक्त हों तो स्त्रीलिंग और पुरुष के लिए प्रयुक्त हों तो पुल्लिंग कहलाते हैं; जैसे– मंत्री, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मैनेजर, डॉक्टर, सचिव, सभापति, राजदूत आदि। उभयलिंगी शब्दों में लिंग की पहचान क्रिया से होती है; जैसे–

   • डॉक्टर आ चुके हैं। • डॉक्टर आ चुकी हैं।

   अप्राणिवाचक शब्दों के लिंग की पहचान उनके साथ क्रिया या विशेषण लगाने से होती है; जैसे–

   • पुस्तक फट गई। (क्रिया से पहचान) पुस्तक अच्छी है। (विशेषण से पहचान)
   • गमला टूट गया। (क्रिया से पहचान) गमला भारी था। (विशेषण से पहचान)

ग. दिए गए शब्दों के सामने उनके लिंग का उल्लेख कीजिए–

शब्द		लिंग	शब्द		लिंग
1. जापान	—	**पुल्लिंग**	2. मस्तक	—	**पुल्लिंग**
3. लौकी	—	**स्त्रीलिंग**	4. गेहूँ	—	**पुल्लिंग**
5. ताँबा	—	**पुल्लिंग**	6. गरमी	—	**स्त्रीलिंग**

घ. निम्नलिखित शब्दों के स्त्रीलिंग शब्द पर गोला ◯ लगाइए–

1. पाठक	—	पाठ	पाठनी	(पाठिका)
2. वर	—	वरी	वरा	(वधू)
3. विधुर	—	विधुरी	(विधवा)	विधवी
4. सम्राट	—	सम्राज्ञी	(साम्राज्ञी)	सम्राटी

वचन

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. हिंदी में वचन होते हैं–
   (अ) तीन ☐ (ब) दो [3] (स) चार ☐ (द) पाँच ☐
2. 'मेज़' का बहुवचन है–
   (अ) मेज़ू ☐ (ब) मेज़ें [3] (स) मेज़ी ☐ (द) मेज़ु ☐
3. 'सदी' का बहुवचन है–
   (अ) सदियाँ [3] (ब) सदीयाँ ☐ (स) सदीयें ☐ (द) सदीएँ ☐
4. 'वस्तु' का बहुवचन है–
   (अ) वसतू ☐ (ब) वस्तू ☐ (स) वस्तुएँ [3] (द) वसतु ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. शब्द के जिस रूप में उसके संख्या में एक या अनेक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं।
2. हिंदी भाषा में वचन के दो भेद होते हैं— 1. एकवचन, 2. बहुवचन।
3. सम्मान प्रकट करने के लिए एकवचन शब्दों को बहुवचन में प्रयोग–
   • नेताजी भाषण दे रहे हैं। • दादा जी अख़बार पढ़ रहे हैं।

ग. उचित वचन का प्रयोग करते हुए वाक्य पूरे कीजिए–

1. आज के **युवजन** ही देश को उन्नति पर ले जा सकते हैं।
2. घोड़ा **चने** खा रहा है।
3. **बच्चे** उद्यान में खेल रहे हैं।
4. भारत अपनी पौराणिक **कथाओं** के लिए प्रसिद्ध है।
5. रेणु ने सारी **कथाएँ** खोल दीं।

घ. निम्नलिखित वाक्यों को बहुवचन में बदलकर पुनः लिखिए–

1. नीले फूल सुंदर हैं। 2. फूलों पर रंग-बिरंगी तितलियाँ बैठी हैं।
3. छोटे बच्चे रो रहे हैं। 4. हरे अंगूर खट्टे हैं।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

कारक

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. इसने मेरा कहना नहीं माना।
   (अ) कर्म कारक ☐ (ब) कर्ता कारक [3]
   (स) करण कारक ☐ (द) अपादान कारक ☐

2. मेज पर पुस्तक रखी है।

(अ) अधिकरण कारक	3	(ब) कर्म कारक	
(स) संप्रदान कारक		(द) संबंध कारक	

3. पिताजी कार से दिल्ली गए।

(अ) कर्म कारक		(ब) कर्ता कारक	
(स) करण कारक	3	(द) अपादान कारक	

4. नीरज की बहन मेरे साथ पढ़ती है।

(अ) कर्म कारक		(ब) कर्ता कारक	
(स) संप्रदान कारक		(द) संबंध कारक	3

5. हिमालय से गंगा निकलती है।

(अ) करण कारक		(ब) अपादान कारक	3
(स) कर्म कारक		(द) कर्ता कारक	

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य में क्रिया अथवा अन्य शब्दों से जाना जाए, उसे कारक कहते हैं।

   कारक के आठ भेद होते हैं— 1. कर्ता कारक, 2. कर्म कारक, 3. करण कारक, 4. संप्रदान कारक, 5. अपादान कारक, 6. संबंध कारक, 7. अधिकरण कारक, 8. संबोधन कारक।

2. करण कारक और अपादान कारक में निम्न अंतर हैं–

   करण कारक– कर्ता जिस साधन की सहायता से काम करता है, उसे करण कारक कहते हैं; जैसे–

   • नेहा बोतल से पानी पी रही है। • रवि साबुन से कपड़े धो रहा है।

   अपादान कारक– संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से अलग होने, डरने, तुलना करने आदि भावों का पता चले, उसे अपादान कारक कहते हैं; जैसे–

   • पेड़ से पत्ते गिरते हैं। • हिरन शेर से डरता है। • विभा स्नेहा से अधिक चतुर है।

3. कर्म कारक और संप्रदान कारक में निम्न अन्तर है–

   कर्म कारक– शब्द के जिस रूप पर क्रिया का फल पड़े, उसे कर्म कारक कहते हैं; जैसे–

   • वरुण से खाया नहीं जाता। • अमन को जल्दी है।

   संप्रदान कारक– कर्ता जिसके लिए कार्य करता है या जिसे कुछ देता है, उसे संप्रदान कारक कहते हैं; जैसे–

   • माँ ने बच्चों के लिए कपड़े खरीदे। • पिता जी ने माधव को फोन दिया।

ग. दिए गए निर्देशों के अनुसार वाक्य लिखिए–

1. वरुण पेन से लिख रहा है।
2. पुलिस ने चोर को पकड़ा।
3. महेश ने विकास को फोन किया।
4. छत पर बारिश हो रही है।
5. यह मेरा पेन है।

घ. दिए गए वाक्यों में करण कारक है या अपादान कारक? वाक्य के सामने लिखिए–

1. अपादान कारक 2. करण कारक 3. अपादान कारक
4. अपादान कारक 5. करण कारक 6. अपादान कारक

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

10. सर्वनाम

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. मैं हिंदी पढ़ती हूँ।
   (अ) प्रश्नवाचक [ ] (ब) अनिश्चयवाचक [ ]
   (स) पुरुषवाचक [3] (द) संबंधवाचक [ ]
2. तुम्हारी बोतल किसने गिरा दी?
   (अ) प्रश्नवाचक [3] (ब) संबंधवाचक [ ]
   (स) निजवाचक [ ] (द) पुरुषवाचक [ ]
3. शायद दाल में कुछ पड़ा है।
   (अ) पुरुषवाचक [ ] (ब) निजवाचक [ ]
   (स) निश्चयवाचक [ ] (द) अनिश्चयवाचक [3]
4. यह मेरी अँगूठी है।
   (अ) प्रश्नवाचक [ ] (ब) संबंधवाचक [ ]
   (स) निश्चयवाचक [3] (द) पुरुषवाचक [ ]
5. उन्होंने अपना काम समय पर कर लिया।
   (अ) पुरुषवाचक [ ] (ब) संबंधवाचक [ ]
   (स) निजवाचक [3] (द) निश्चयवाचक [ ]

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को सर्वनाम कहते हैं।
2. सर्वनाम के निम्नलिखित छह भेद होते हैं–
   1. पुरुषवाचक सर्वनाम 2. निश्चयवाचक सर्वनाम 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
   4. प्रश्नवाचक सर्वनाम 5. संबंधवाचक सर्वनाम 6. निजवाचक सर्वनाम
3. पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं–
   1. **उत्तम पुरुषवाचक–** बोलने वाला या लिखने वाला अपने लिए जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करता है, उन्हें उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– मैं, हम, मैंने, हमें, हमने, हमारा, मेरा आदि।
      • मैं खाना नहीं खाऊँगा। • हम समय पर व्यायाम करते हैं।

2. **मध्यम पुरुषवाचक–** सुनने वाले या सामने वाले व्यक्ति के बारे में जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– तू, तुम, आप आदि।

   • तू इस समय कहाँ जा रहा है? • आप क्या लेना पसंद करेंगे?

3. **अन्य पुरुषवाचक–** वक्ता और श्रोता को छोड़कर अन्य किसी व्यक्ति के बारे में प्रयुक्त सर्वनाम शब्दों को अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे– वह, वे, यह, ये, उनसे, उन्होंने, इन्होंने, इन्हें, उन्हें, इनसे, उसे, उससे, इस, इससे, उसने, उसको आदि।

   • वह पढ़ रहा है। • वे बाहर खेल रहे हैं।

4. पुरुषवाचक और निजवाचक सर्वनाम में आप का प्रयोग–

   पुरुषवाचक सर्वनाम – ताऊजी, आप कहाँ जाएँगे?

   निजवाचक सर्वनाम– वह अपना काम आप कर लेगा।

ग. रिक्त स्थानों में उचित सर्वनाम शब्द छाँटकर भरिए–

1. आज **हम** सब फिल्म देखने जाएँगे। 2. जो आलस्य करते हैं **वो** बाद में पछताते हैं।
3. पानी में **कुछ** गिर गया। 4. **आप** हमारे घर कब आएँगे।
5. **मेरे** को अभी पढ़ना है।

घ. रंगीन सर्वनाम शब्दों के वचन बदलकर वाक्य पुनः लिखिए–

1. वे पढ़ रहे हैं। 2. हम कल कलकत्ता जाएँगे।
3. हमें कुछ रुपये दे दो। 4. वह किसका पर्स है?
5. उनके साथ मैं भी जाऊँगा।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

11. विशेषण

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. ''कृष्ण साँवले रंग के थे'' इस वाक्य में विशेषण है–
   (अ) कृष्ण [ ] (ब) साँवले [3] (स) रंग [ ] (द) ये सभी [ ]
2 इनमें से कौन-सा शब्द गुणवाचक विशेषण है?
   (अ) साहसी [ ] (ब) मजेदार [ ] (स) परिश्रमी [ ] (द) ये सभी [3]
3. इनमें से कौन-सा शब्द परिमाणवाचक विशेषण है?
   (अ) दो मीटर [3] (ब) नया [ ] (स) कोमल [ ] (द) रंगीन [ ]
4. ''भूखे व्यक्ति को खाना खिलाओ।'' इस वाक्य में विशेषण है–
   (अ) व्यक्ति [ ] (ब) खाना [ ] (स) भूखे [3] (द) खिलाओ [ ]

5. विशेषण की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्या कहते हैं?

(अ) सार्वनामिक विशेषण ☐ (ब) प्रविशेषण ☑3

(स) गुणवाचक विशेषण ☐ (द) संख्यावाचक विशेषण ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम शब्दों के गुण, दोष, संख्या, मात्रा आदि का बोध कराते हैं, वे विशेषण कहलाते हैं।
2. विशेषण के निम्नलिखित चार भेद होते हैं–
   1. गुणवाचक विशेषण 2. संख्यावाचक विशेषण
   3. परिमाणवाचक विशेषण 4. सार्वनामिक या संकेतवाचक विशेषण
3. विशेषण जिस संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताता है उसे विशेष्य कहते हैं।
4. विशेषण की तीन अवस्थाएँ होती हैं–
   1. मूलावस्था 2. उत्तरावस्था 3. उत्तमावस्था
5. विशेषण की विशेषता बताने वाले शब्द प्रविशेषण कहलाते हैं; जैसे–
   • बहुत ऊँचा आदमी। • बहुत पतला लड़का आदि।

ग. दिए गए वाक्यों में से विशेषण और विशेष्य शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए–

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
1. पढ़ना	तरुण	2. चीनी	चाय
3. पुस्तक	उसे	4. रेशमी	कपड़ा
5. काला	कुत्ता		

घ. दिए गए शब्दों से विशेषण बनाइए–

सम्मान	—	**सम्मानित**	रूप	—	**रूपवान**	विज्ञान	—	**वैज्ञानिक**
उड़ना	—	**उड़ान**	हँसना	—	**हँसमुख**	बाहर	—	**बाहरी**
नव	—	**नवाचार**	मर्म	—	**मार्मिक**			

ङ. दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त विशेषण में उपयुक्त प्रविशेषण लगाकर वाक्य पुनः लिखिए–

1. वह लड़की बहुत चंचल है। 2. दीपक बहुत चालाक है। 3. गीता बहुत अच्छा गाती है।
4. रोहन बहुत धनी है। 5. राजा बहुत बुद्धिमान है।

च. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उचित विशेषण पदों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. कार्यक्रम अत्यंत **शानदार** रहा। 2. कुतुबमीनार एक **दर्शनीय** स्थल है।
3. वह बड़ा **बलवान** योद्धा था। 4. वह बहुत **सुखी** परिवार है।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

12. क्रिया

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. कर्म के आधार पर क्रिया के कितने भेद होते हैं?
   (अ) तीन ☐ (ब) दो 3 (स) चार ☐ (द) पाँच ☐
2. जहाँ एक क्रिया मुख्य होती है तथा दूसरी रंजक क्रिया होती है, उसे क्या कहते हैं?
   (अ) सामान्य क्रिया ☐ (ब) प्रेरणार्थक क्रिया ☐
   (स) संयुक्त क्रिया 3 (द) सकर्मक क्रिया ☐
3. इनमें से कौन-सा शब्द पूर्वकालिक क्रिया का है?
   (अ) उठकर 3 (ब) उठा ☐ (स) उठाया ☐ (द) उठ गया ☐
4. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि से बनी क्रिया को क्या कहते हैं?
   (अ) संयुक्त क्रिया ☐ (ब) पूर्वकालिक क्रिया ☐
   (स) नामधातु क्रिया 3 (द) प्रेरणार्थक क्रिया ☐
5. इनमें से कौन-सा शब्द नामधातु क्रिया का है?
   (अ) पढ़ाना ☐ (ब) पढ़वाना ☐ (स) हँसवाना ☐ (द) बतियाना 3

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. वाक्य में जिन शब्दों से किसी कार्य के करने, होने, अवस्था या स्थिति का बोध होता है, उन्हें क्रिया कहते हैं।
2. क्रिया के भेद दो आधार पर होते हैं–
   1. कर्म के आधार पर 2. प्रयोग अथवा संरचना के आधार पर
3. कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं–
   1. अकर्मक क्रिया– निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए–
   • बतख तैर रही है। • संगीता खड़ी है।
   उपर्युक्त वाक्य में 'बतख' और 'संगीता' शब्द कर्ता हैं तथा 'तैर रही है' और 'खड़ी है' क्रिया शब्द हैं। इन वाक्यों में कोई कर्म नहीं है। अतः ये अकर्मक क्रियाएँ हैं।
   2. सकर्मक क्रिया– निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए–
   • नानी जी ने कहानी सुनाई। • अश्विन गिटार बजा रहा है।
   उपर्युक्त वाक्यों में 'कहानी' और 'गिटार' कर्म हैं तथा 'सुनाई' और 'बजा रहा है' क्रियाएँ हैं। इन क्रियाओं का प्रभाव कर्म पर पड़ रहा है। अतः ये सकर्मक क्रियाएँ हैं।
4. प्रयोग अथवा संरचना के आधार पर क्रिया के निम्न भेद हैं–
   1. सामान्य क्रिया 2. संयुक्त क्रिया 3. नाम धातु क्रिया।
5. जिस वाक्य में एक से अधिक पद मिलकर क्रिया का कार्य करते हैं, उसे संयुक्त क्रिया कहते हैं; जैसे– • वह जा चुका है। • मैंने खाना खा लिया है।
6. वे क्रिया शब्द, जिनके द्वारा कर्ता किसी को कार्य करने की प्रेरणा देता या दिलवाता है, प्रेरणार्थक क्रिया कहलाते हैं; जैसे–
   • मालिक माली से पौधे सिंचवाता है। • शिक्षक छात्र से पुस्तक पढ़वाता है।

7. मूल क्रिया से पूर्व यदि अन्य कोई क्रिया हुई हो तो उसे पूर्वकालिक क्रिया कहते हैं; जैसे–
   - हिमानी शरबत पीकर बाज़ार गई। • दिनेश आकर सो गया।

ग. दिए गए वाक्यों को पढ़िए तथा कर्म के आधार पर उनके भेद लिखिए–

1. अकर्मक क्रिया 2. सकर्मक क्रिया 3. सकर्मक क्रिया 4. अकर्मक क्रिया
5. सकर्मक क्रिया 6. सकर्मक क्रिया 7. सकर्मक क्रिया

घ. दिए गए शब्दों से नामधातु क्रियाएँ बनाइए–

शरम	–	**शरमाना**	अपना	–	**अपनाना**	साठ	–	**सठियाना**
हाथ	–	**हथियाना**	मोटा	–	**मुटाना**	बात	–	**बतियाना**
झूठ	–	**झूठलाना**	लाठी	–	**लठियाना**	गरम	–	**गरमाना**
लालच	–	**ललचाना**	तोतला	–	**तुतलाना**	खट-खट	–	**खटखटाना**

ङ. दी गई क्रियाओं का 'मूल क्रिया' तथा 'रंजक क्रिया' के रूप में प्रयोग कीजिए–

मूल क्रिया	**रंजक क्रिया**
1. चाचा जी उत्तम नगर में रहते हैं।	वह रात भर पढ़ता है।
2. वह सामान लेता है।	वह सामान लेता रहा।
3. वह दान देता है।	वह पानी देता रहा।
4. नितिन जल्दी उठता है।	वह कुरसी से उठा।
5. यश चारपाई पर पड़ता है।	कुलदीप दिनभर पड़ा रहा।
6. मुकेश विद्यालय आता है।	विवेक दुकान पर आया।

च. रंगीन क्रिया शब्द में 'कर' लगाकर वाक्य पुनः बनाइए–

1. शिक्षक सिर उठाकर बोले। 2. वह कानपुर आकर घूमा
3. वे फल लाकर चले गए। 4. दादा जी खाना खाकर सो गए।
5. मोहन ने चित्र बना कर रख दिया। 6. रीता गाना गाकर नाचने लगी।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

13. काल

क. दिए गए वाक्यों के सही काल पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. हमें धोखा दिया जा रहा है।
   (अ) अपूर्ण वर्तमान [3] (ब) पूर्ण वर्तमान [ ]
   (स) संदिग्ध वर्तमान [ ] (द) सामान्य वर्तमान [ ]
2. मैंने वहाँ जूस पीया था।
   (अ) संदिग्ध वर्तमान (ब) पूर्ण वर्तमान [ ] (स) अपूर्ण वर्तमान (द) सामान्य भूत [3]

3. प्रीति खाना ला रही थी।

(अ) अपूर्ण भूत	3	(ब) संदिग्ध भूत	☐
(स) पूर्ण भूत	☐	(द) आसन्न भूत	☐

4. शायद वर्षा हो।

(अ) सामान्य भविष्यत्	3	(ब) सामान्य भूत	☐
(स) सामान्य वर्तमान	☐	(द) संभाव्य भविष्यत्	☐

5. बस चली गई होगी।

(अ) सामान्य भविष्यत्	3	(ब) संदिग्ध वर्तमान	☐
(स) अपूर्ण वर्तमान	☐	(द) संदिग्ध भूत	☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. क्रिया के जिस रूप से उसके होने या करने के समय का पता चलता है, उसे काल कहते हैं।
2. काल के तीन भेद होते हैं–

   1. भूत काल   2. वर्तमान काल   3. भविष्यत् काल

3. **(i) सामान्य भूत काल–** बीते हुए समय में हो चुके क्रिया के सामान्य रूप को सामान्य भूत काल कहते हैं; जैसे–

   • प्रज्ञा ने खाना खाया।   • दादा जी फल लाए।

   (ii) आसन्न भूत काल– क्रिया के जिस रूप से कार्य के अभी-अभी समाप्त होने का परिचय मिलता है, उसे आसन्न भूत काल कहते हैं; जैसे–

   • मामा जी अभी आए हैं।   • मैंने पानी पिया है।

   (iii) अपूर्ण भूत काल– क्रिया के जिस रूप से यह बोध हो कि भूतकाल में आरंभ किया गया काम अभी समाप्त नहीं हुआ है, उसे अपूर्ण भूतकाल कहते हैं; जैसे–

   • नेता जी भाषण दे रहे थे।   • बच्चे मैदान में खेल रहे थे।

ग. निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में दिए काल के अनुसार बदलकर लिखिए–

1. तान्या पढ़ी।   2. हम क्रिकेट खेल रहे हैं।   3. छात्र ने शोर मचाया।
4. शायद मीनू आए।   5. सिपाही ने चोर को पकड़ा।   6. शायद वर्षा हो जाए।

घ. दिए गए वाक्यों को भविष्यत् काल में बदलकर लिखिए–

1. राजीव कविता पढ़ेगा।   2. हम खेलने जाएँगे।
3. अदिति निबंध लिखेगी।   4. तुम्हारा भाई चित्र बनाएगा।
5. आदित्य खेलेगा।   6. वे शहर गए थे।

ङ. कोष्ठक में दिए निर्देशानुसार क्रिया रूप से वाक्य पूरे कीजिए–

1. पिताजी बगीचे में **गए।**   2. पक्षी आकाश में **उड़ रहे थे**।
3. सबने खाना **खाया था**।   4. सब्जी वाला सब्जी **लाया होगा**।
5. शायद हम कल केरल **जाएँगे**।   6. देवव्रत फुटबॉल **खेला**।

च. निम्नलिखित धातुओं के वर्तमान, भूत और भविष्यत् काल के रूप उदाहरण के अनुसार बनाइए–

	धातु	भूत काल	वर्तमान काल	भविष्यत् काल
1.	पढ़	**पढ़ा**	**पढ़ता है**	**पढ़ेगा**
2.	सो	**सो गया**	**सो रहा है**	**सोएगा।**
3.	खेल	**खेल लिया**	**खेल रहा है**	**खेलेगा।**
4.	खा	**खा लिया**	**खा रहा है**	**खाएगा।**
5.	आ	**आ गया**	**आ रहा है**	**आएगा।**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

14. वाच्य

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. हिंदी में वाच्य कितने होते हैं?
   (अ) दो ☐ (ब) तीन [3] (स) चार ☐ (द) पाँच ☐
2. जिस क्रिया का लिंग, पुरुष तथा वचन कर्ता के अनुसार हो, उसे क्या कहते हैं?
   (अ) भाववाच्य ☐ (ब) कर्मवाच्य ☐
   (स) कर्तृवाच्य [3] (द) एककर्मक क्रिया ☐
3. भाववाच्य केवल किन क्रियाओं के साथ होता है?
   (अ) एककर्मक ☐ (ब) द्विकर्मक ☐ (स) सकर्मक ☐ (द) अकर्मक [3]
4. "बच्चा खेल रहा है।" इस वाक्य में कौन-सा वाच्य है?
   (अ) कर्तृवाच्य [3] (ब) कर्मवाच्य ☐
   (स) भाववाच्य ☐ (द) इनमें से कोई नहीं ☐
5. "यह कविता 'दिनकर' जी के द्वारा लिखी गई है।" इस वाक्य में कौन-सा वाच्य है?
   (अ) भाववाच्य ☐ (ब) कर्तृवाच्य [3]
   (स) कर्मवाच्य ☐ (द) इनमें से कोई नहीं ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि वह कर्ता, कर्म या भाव में से किसके अनुसार है, उसे वाच्य कहते हैं।
2. वाच्य के तीन भेद होते हैं–
   1. **कर्तृवाच्य–** जिस वाक्य में क्रिया का लिंग, वचन तथा पुरुष कर्ता के अनुसार हो, उसे कर्तृवाच्य कहते हैं; जैसे– • आशु सो रहा है। • मैंने दूध पी लिया है।
   2. **कर्मवाच्य–** जिस वाक्य में क्रिया का लिंग, वचन तथा पुरुष कर्म के अनुसार हो, उसे कर्मवाच्य कहते हैं; जैसे–
      • मुझसे यह चिट्ठी नहीं पढ़ी जाती। • माली के द्वारा पौधा लगाया गया।

3. **भाववाच्य–** जिस वाक्य में क्रिया भाव के अनुसार हो, वहाँ भाववाच्य होता है। भाववाच्य में क्रिया सदा पुल्लिंग, एकवचन और अन्य पुरुष की होती है; जैसे–

• रोगी से चला नहीं जाता। • उस बच्चे से अब खेला नहीं जाता।

3. कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाने के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा जाता है–
   1. कर्ता के साथ 'से', 'द्वारा' या 'के द्वारा' लगाया जाता है; जैसे– नितिन के द्वारा।
   2. क्रिया कर्ता के अनुसार न लगाकर कर्म के अनुसार लगाई जाती है; जैसे– आइसक्रीम खाई जाती है।
   3. क्रिया के साथ 'जा' धातु का रूप भी जोड़ा जाता है; जैसे– जाती है।

ग. नीचे दिए गए कथनों में सही के सामने (3) तथा गलत के सामने (7) का निशान लगाइए–

1. कर्मवाच्य में केवल अकर्मक क्रिया का प्रयोग होता है। 7
2. जहाँ क्रिया का सीधा संबंध कर्ता से हो, उसे कर्तृवाच्य कहते हैं। 3
3. भाववाच्य में सकर्मक क्रिया का प्रयोग होता है। 7
4. कर्तृवाच्य में क्रिया अकर्मक या सकर्मक दोनों में से कोई भी हो सकती है। 3
5. जहाँ क्रिया का सीधा संबंध कर्म से हो, उसे कर्मवाच्य कहते हैं। 3

घ. निम्नलिखित वाक्यों के वाच्य-भेद लिखिए–

1. कर्मवाच्य	2. कर्तृवाच्य	3. भाववाच्य
4. कर्तृवाच्य	5. कर्मवाच्य	6. भाववाच्य

ङ. निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए–

1. मैं नहीं हँसता। 2. तरुण द्वारा पुस्तक पढ़ी जा रही है।
3. मेरे द्वारा बाजार से लीची लाई गई। 4. उसने विद्यालय में भाषण दिया।
5. मुझसे चुप नहीं बैठा जाता।

च. नीचे लिखी क्रियाओं से कर्तृवाच्य तथा कर्मवाच्य में वाक्य बनाइए–

1. लिख —	(i)	कर्तृवाच्य	**वह पत्र लिखता है।**
	(ii)	कर्मवाच्य	**उसके द्वारा पत्र लिखा जाता है।**
2. पढ़ —	(i)	कर्तृवाच्य	**रमेश पुस्तक पढ़ता है।**
	(ii)	कर्मवाच्य	**रमेश के द्वारा पुस्तक पढ़ी गई।**
3. खेल —	(i)	कर्तृवाच्य	**विक्रम खेलता है।**
	(ii)	कर्मवाच्य	**विक्रम के द्वारा खेला जाता है।**

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

15. अव्यय या अविकारी शब्द

1. क्रियाविशेषण

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. अव्यय शब्द कौन-से होते हैं?
   (अ) जो परिवर्तित होते हैं ☐ (ब) जो परिवर्तित नहीं होते [3]
   (स) जो कभी-कभी परिवर्तित होते हैं ☐ (द) जो थोड़े परिवर्तित होते हैं ☐
2. क्रियाविशेषण के कितने भेद होते हैं?
   (अ) दो ☐ (ब) तीन ☐ (स) चार [3] (द) पाँच ☐
3. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द रीतिवाचक विशेषण है?
   (अ) अचानक [3] (ब) आज ☐ (स) थोड़ा ☐ (द) ऊपर ☐
4. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द कालवाचक विशेषण नहीं है?
   (अ) परसों ☐ (ब) कल ☐ (स) आज [3] (द) लगातार ☐
5. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द परिमाणवाचक विशेषण नहीं है?
   (अ) थोड़ा ☐ (ब) अंदर [3] (स) बहुत ☐ (द) पर्याप्त ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जिन शब्दों में लिंग, वचन, पुरुष और काल के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, उन्हें अव्यय या अविकारी शब्द कहते हैं।
2. अव्यय के पाँच भेद होते हैं—
   1. क्रियाविशेषण, 2. संबंधबोधक, 3. समुच्चयबोधक, 4. विस्मयादिबोधक, 5. निपात।
3. क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रियाविशेषण कहलाते हैं।
4. क्रियाविशेषण के चार भेद होते हैं–
   1. रीतिवाचक, 2. कालवाचक, 3. स्थानवाचक, 4. परिमाणवाचक

ग. दिए गए वाक्यों में से क्रियाविशेषण शब्द छाँटिए तथा उनके भेद का नाम लिखिए–

वाक्य	क्रियाविशेषण शब्द	क्रियाविशेषण का भेद
1. वह अकसर आता रहता है।	**अकसर**	**रीतिवाचक**
2. भीतर बहुत गर्मी है।	**बहुत**	**परिमाणवाचक**
3. काफी खेल चुके, अब पढ़ो।	**काफी**	**कालवाचक**
4. मैं आस-पास घूमने जा रहा हूँ।	**आस-पास**	**स्थानवाचक**
5. सारी सब्जियाँ हाथों-हाथ बिक गईं।	**हाथों-हाथ**	**रीतिवाचक**

घ. दिए गए वाक्यों में रंगीन क्रियाविशेषण के सही भेद के सामने सही (3) का निशान लगाइए–

1. ऊबड़-खाबड़ सड़क पर **धीरे-धीरे** चलो। (अ) रीतिवाचक [3] (ब) स्थानवाचक ☐
2. **उतना** खाओ **जितना** पचा सको। (अ) कालवाचक ☐ (ब) परिमाणवाचक [3]

3. पार्क में बच्चे **रोज़** खेलते हैं। (अ) स्थानवाचक ☐ (ब) कालवाचक [3]

4. कपड़े **ऊपर** सूख रहे हैं। (अ) कालवाचक ☐ (ब) स्थानवाचक [3]

5. उसके पैर में **लगातार** दर्द हो रहा है। (अ) कालवाचक [3] (ब) स्थानवाचक ☐

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

2. संबंधबोधक

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. अनुज **की अपेक्षा** वरुण बुद्धिमान है।
   (अ) के साथ ☐ (ब) के बिना ☐
   (स) की अपेक्षा [3] (द) के अलावा ☐
2. शिशु माँ **के बिना** नहीं रह सकता।
   (अ) के बिना [3] (ब) के लिए ☐ (स) के आगे ☐ (द) के मारे ☐
3. भूख **के मारे** बुरा हाल है।
   (अ) के सामने ☐ (ब) के मारे [3]
   (स) की तुलना में ☐ (द) के खिलाफ़ ☐
4. बालक चाँद **की ओर** देख रहा है।
   (अ) की बाबत ☐ (ब) के चारों ओर ☐
   (स) के अंदर ☐ (द) की ओर [3]
5. उसके **खिलाफ़** कोई साक्ष्य नहीं है।
   (अ) कारण ☐ (ब) खिलाफ़ [3] (स) मारे ☐ (द) बराबर ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जो पद संज्ञा या सर्वनाम के साथ आकर उनका संबंध वाक्य के अन्य पदों से बताते हैं, वे संबंधबोधक कहलाते हैं।
2. संबंधबोधक तथा क्रियाविशेषण में निम्न अंतर है–

संबंधबोधक	**क्रियाविशेषण**
1. पिताजी कमरे के अंदर हैं।	1. चाचा जी अंदर बैठे हैं।
2. बंदर पेड़ के ऊपर चढ़ गया।	2. बंदर ऊपर चढ़ गया।

ग. दिए गए शब्दों का संबंधबोधक तथा क्रियाविशेषण दोनों रूपों में वाक्य प्रयोग कीजिए–

	संबंधबोधक	**क्रियाविशेषण**
1.	रवि भाई के साथ सामने वाले घर में गया।	किशन सामने बैठा है।
2.	मंदिर के नीचे कुआँ है।	जमीन के नीचे जल है।

3. छत के ऊपर पक्षी बैठा है।	ऊपर सर्दी अधिक है।
4. विद्यालय के आगे स्टेशन है।	वह आगे जा रहा है।
5. नदी के पीछे झोपड़ी है।	वह पीछे चल रहा है।
6. कमरे के भीतर अंधेरा है।	सामान बैग के भीतर है।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

3. समुच्चयबोधक

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने वाले शब्द **समुच्चयबोधक** कहलाते हैं।
   (अ) क्रियाविशेषण [ ] (ब) संबंधबोधक [ ]
   (स) समुच्चयबोधक [3] (द) विशेषण [ ]
2. अंकित **और** सचिन सगे भाई हैं।
   (अ) ताकि [ ] (ब) अतः [ ] (स) मगर [ ] (द) और [3]
3. राजू दौड़कर गया **ताकि** गाड़ी पकड़ सके।
   (अ) लेकिन [ ] (ब) मगर [ ] (स) ताकि [3] (द) और [ ]
4. उसे आगरा जाना था **इसलिए** वह रेलवे स्टेशन गया।
   (अ) और [ ] (ब) इसलिए [3] (स) तथा [ ] (द) या [ ]
5. तुम सब शांत बैठो **अन्यथा** बाहर चले जाओ।
   (अ) और [ ] (ब) तथा [ ] (स) अन्यथा [3] (द) जिससे [ ]
6. राजा ने देखा **कि** सामने एक भिखारी दयनीय स्थिति में खड़ा था।
   (अ) कि [ ] (ब) बल्कि [3] (स) अथवा [ ] (द) इसलिए [ ]

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने वाले शब्द समुच्चयबोधक अव्यय कहलाते हैं।
2. समुच्चयबोधक के दो भेद होते हैं–
   1. **समानाधिकरण समुच्चयबोधक–** जो समुच्चयबोधक शब्द समान स्थिति वाले दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को समानता के आधार पर एक-दूसरे से जोड़ते हैं, वे समानाधिकरण समुच्चयबोधक कहलाते हैं; जैसे–
      • राधिका और शालिनी घूमने आगरा गईं। • साक्षी को बुखार था इसलिए वह नहीं गई।
   2. **व्यधिकरण समुच्चयबोधक–** किसी वाक्य के प्रधान और आश्रित उपवाक्यों को जोड़ने वाले शब्द व्यधिकरण समुच्चयबोधक कहलाते हैं; जैसे–
      • रोहन भला व्यक्ति है इसलिए सबको भला समझता है।
      • खूब मेहनत करो ताकि अच्छे नंबर प्राप्त कर सको।

3. जो शब्द एक ही श्रेणी के दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने का कार्य करते हैं, वे संयोजक समुच्चयबोधक कहलाते हैं; जैसे–
   - देव और वासु पढ़ रहे हैं।
   - मैं बाज़ार गया तथा एक पेन लाया।

ग. उचित समुच्चयबोधक अव्यय द्वारा वाक्य पूरे कीजिए–

1. तुम इधर आओगे **या** मैं उधर आऊँ।
2. प्रीति इस तरह भागी **जैसे कि** तूफ़ान आ गया हो।
3. मैं विद्यालय नहीं गया **क्योंकि** मुझे बुखार था।
4. माँ बीमार हैं **इसलिए** आज वे भोजन नहीं बना सकीं।
5. तुम जिद करोगे **तो** मैं नहीं जाऊँगी।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

4. विस्मयादिबोधक

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. **अरे**! तुमने तो कमाल कर दिया।
   (अ) ओह ☐ (ब) जीते रहो ☐ (स) हाय ☐ (द) अरे [3]
2. **छिः**! कितने गंदे जूते।
   (अ) ओह ☐ (ब) अरे ☐ (स) शाबाश ☐ (द) छिः [3]
3. **हाय**! मैं तो लुट गया।
   (अ) वाह ☐ (ब) जियो ☐ (स) हाय [3] (द) बाप रे ☐
4. **ओ**! लड़के ज़रा मेरी बात सुनना।
   (अ) ओ [3] (ब) आह ☐ (स) वाह ☐ (द) ओह ☐
5. **क्या** ! चार दिनों की छुट्टियाँ एक साथ चाहिए।
   (अ) ओह ☐ (ब) क्या [3] (स) वाह ☐ (द) सावधान ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जो शब्द हर्ष, शोक, घृणा, विस्मय, भय आदि भावों का बोध कराते हैं, वे विस्मयादिबोधक कहलाते हैं।
2. विस्मयादिबोधक अव्यय को भावबोधक अव्यय भी कहते हैं।
3. विस्मयादिबोधक अव्यय वाक्य के शुरू में आते हैं। इनके आगे विस्मयादिबोधक चिह्न (!) लगाया जाता है।
4. विस्मयादिबोधक अव्यय के आगे विस्मयादिबोध चिह्न (!) लगाया जाता है।

ग. दिए गए विस्मयादिबोधकों का अपने बनाए वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. हाय! ये क्या हो गया! 2. अरे! कितना धुआँ है।

3. सावधान! आगे तीव्र मोड़ है। 4. छिः! कितनी बदबू आ रही है।
5. वाह! कितना सुदर नजारा है।

घ. दिए गए वाक्यों में विस्मयादिबोधक शब्दों को रेखांकित कीजिए तथा उनके भेद का नाम लिखिए—

1. विस्मयादिबोधक 2. स्वीकृति बोधक 3. आशीर्वाद बोधक
4. घृणाबोधक 5. भय बोधक

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

5. निपात

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए—

1. मुझे तुम्हारे **ही** साथ जाना है।
(अ) भर ☐ (ब) ही [3] (स) भी ☐ (द) तो ☐
2. यह सीट **केवल** पत्रकारों के लिए आरक्षित है।
(अ) ना ☐ (ब) केवल [3] (स) तक ☐ (द) भर ☐
3. उसके भाई को **तो** बोलना भी नहीं आता।
(अ) तो [3] (ब) ही ☐ (स) भी ☐ (द) तक ☐
4. मुझे पेट **भर** भोजन चाहिए।
(अ) भी ☐ (ब) ही ☐ (स) तक ☐ (द) भर [3]
5. सिद्धार्थ **ही** वह लड़का है जो मुझे कल मिला था।
(अ) ही [3] (ब) भी ☐ (स) तक ☐ (द) ना ☐
6. सोहन को हिंदी बोलनी **तक** नहीं आती।
(अ) तक [3] (ब) तो ☐ (स) कर ☐ (द) मात्र ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

1. जो अव्यय शब्द वाक्य में किसी पद पर विशेष बल डालते हैं, वे निपात कहलाते हैं। जैसे– हमारे साथ शोभित भी आया था।
2. • वह जीवन भर संघर्ष करता रहा। • वह तो बहुत होशिया है।

ग. दिए गए निपातों का अपने बनाए वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

1. विशाल भी उत्तीर्ण हो गया। 2. छात्र ने ही अध्यापक से कहा था।
3. यह गाड़ी केवल दिल्ली तक जाएगी। 4. शाम सात बजे तक आ जाना।
5. यह जींस मात्र पाँच सौ रुपये की है। 6. तुम कल जाओगे ना।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

16. वाक्य-विचार

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. वाक्य के कितने अंग होते हैं?
   (अ) दो [3] (ब) तीन [ ] (स) चार [ ] (द) पाँच [ ]
2. 'मेरा मित्र सचिन पढ़ रहा है।' इस वाक्य में उद्देश्य क्या है?
   (अ) मेरा मित्र [ ] (ब) सचिन [ ]
   (स) मेरा मित्र सचिन [3] (द) पढ़ रहा है। [ ]
3. 'हम फ़िल्म देखने गए।' इस वाक्य में विधेय क्या है?
   (अ) हम [ ] (ब) फ़िल्म [ ]
   (स) देखने गए [ ] (द) फ़िल्म देखने गए [3]
4. इनमें से कौन-सा वाक्य-भेद रचना के आधार पर है?
   (अ) आज्ञावाचक [ ] (ब) संकेतवाचक [ ] (स) इच्छावाचक [ ] (द) मिश्रित वाक्य [3]
5. इनमें से कौन-सा वाक्य-भेद अर्थ के आधार पर है?
   (अ) सरल वाक्य [ ] (ब) प्रश्नवाचक वाक्य [3]
   (स) संयुक्त वाक्य [ ] (द) मिश्रित वाक्य [ ]

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. सार्थक पदों का वह व्यवस्थित समूह, जो निश्चित अर्थ दे, वाक्य कहलाता है।
2. वाक्य के दो अंग होते हैं– 1. उद्देश्य, 2. विधेय।
3. वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं और उद्देश्य की विशेषता बताने वाले शब्दों को उद्देश्य का विस्तार कहते हैं।
4. रचना या बनावट के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते हैं–
   1. सरल वाक्य 2. संयुक्त वाक्य 3. मिश्रित वाक्य
5. अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं–
   1. विधानवाचक वाक्य 2. निषेधवाचक वाक्य 3. प्रश्नवाचक वाक्य
   4. आज्ञावाचक वाक्य 5. इच्छावाचक वाक्य 6. संदेहवाचक वाक्य
   7. संकेतवाचक वाक्य 8. विस्मयवाचक वाक्य

ग. दिए गए वाक्यों में उद्देश्य और विधेय अलग-अलग कीजिए–

	उद्देश्य	**विधेय**		**उद्देश्य**	**विधेय**
1.	लड़का	गीत गाने वाला	2.	शिवानी	मेरी सहेली
3.	माता जी	बाजार गई हैं।	4.	दिव्या	मेधावी छात्रा
5.	अधिकारी	पकड़ा गया।			

घ. रचना के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों के भेद लिखिए–

1. मिश्रित वाक्य   2. संयुक्त वाक्य   3. सरल वाक्य
4. सरल वाक्य   5. संयुक्त वाक्य

ङ. अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों के भेद लिखिए–

1. निषेधवाचक वाक्य   2. संदेहवाचक वाक्य   3. प्रश्नवाचक वाक्य
4. इच्छावाचक वाक्य   5. संकेतवाचक वाक्य

च. निम्नलिखित वाक्यों की सहायता से संयुक्त और मिश्रित वाक्य बनाइए–

1. (अ) संयुक्त – छात्र ने मेहनत की और सफल हो गया।
   (ब) मिश्रित – जो छात्र मेहनत करता है वह सफल होता है।
2. (अ) संयुक्त – वह वर्षा में नहाया और बीमार हो गया।
   (ब) मिश्रित – वह वर्षा में नहाया तभी तो बीमार हो गया।
3. (अ) संयुक्त – गायक ने मधुर गीत गाया और सब मुगध हो गए।
   (ब) मिश्रित – जैसे ही गायक ने मधुर गीत गाया वैसे ही सब मुग्ध हो गए।
4. (अ) संयुक्त – वह निरंतर फल खाता है और उसका स्वास्थ्य अच्छा है।
   (ब) मिश्रित – वह निरंतर फल खाता है तभी तो उसका स्वास्थ्य अच्छा है।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

17. विराम-चिह्न

क. दिए गए विराम चिह्न के सामने सही (3) का निशान लगाइए–

1. !
   (अ) उद्धरण ☐ (ब) उपविराम ☐
   (स) विस्मयादिबोधक [3] (द) लाघव ☐
2. ?
   (अ) प्रश्नवाचक [3] (ब) निर्देशक ☐ (स) पूर्ण विराम ☐ (द) अल्प विराम ☐
3. ;
   (अ) अल्प विराम ☐ (ब) अर्द्ध विराम [3] (स) लाघव ☐ (द) योजक ☐
4. “ ”
   (अ) कोष्ठक ☐ (ब) प्रश्नवाचक ☐ (स) उद्धरण [3] (द) अल्प विराम ☐
5. -
   (अ) योजक [3] (ब) कोष्ठक ☐ (स) विवरण ☐ (द) लाघव ☐

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. लिखते समय भावों को स्पष्ट करने के लिए तथा रुकने के लिए प्रयुक्त होने वाले चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं।

2. अपनी बात को ठीक प्रकार से स्पष्ट करने के लिए विराम चिह्नों का प्रयोग आवश्यक है क्योंकि बिना किसी विराम चिह्न के लिखने या बोलने से अर्थ में गड़बड़ी हो सकती है।

3. **निर्देशक चिह्न (—)**– वार्तालाप में वक्ता के आगे के संवाद को प्रकट करने अथवा किसी बात का उदाहरण दिए जाने के लिए निर्देशक चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे–राजा ने कहा—''मुनिवर एक बार अवश्य पधारना''

   योजक चिह्न (-)– दो शब्दों को जोड़ने वाला चिह्न योजक चिह्न कहलाता है। योजक चिह्न निर्देशक चिह्न से छोटा होता है।जैसे–कछुआ धीरे-धीरे चलता है।

ग. दिए गए वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाकर उन्हें पुनः लिखिए–

1. नेता जी ने कहा था– ''तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।''
2. अरे! तुम्हें तो तेज़ बुखार है।
3. श्वेता, क्या तुम्हारे भाई ने एम० बी० बी० एस० पूरा कर लिया?
4. जीवन में सुख-दुख, लाभ-हानि, और जय-पराजय तो लगे रहते हैं।
5. नेहा, प्रिया, शबनम और नित्या मेरी सहेलियाँ हैं।

घ. दिए गए विराम चिह्नों का अपने बनाए वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. लक्ष्य, विराज, विपिन और प्रवीण आपस में मित्र हैं।
2. क्या आप कल शिमला जाएँगे?
3. विपिन रात-दिन अध्ययन करता है।
4. वाह! कितना सुंदर बगीचा है।
5. प्रो० सुरेश आए हैं।

ङ. दिए गए विराम-चिह्न के सही नाम के सामने सही (3) का निशान लगाइए–

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' –	(अ) निर्देशक चिह्न	☐	(ब) उद्धरण चिह्न	3
2. आपको किससे मिलना है?–	(अ) प्रश्नवाचक चिह्न	3	(ब) पूर्ण विराम	☐
3. वाह! –	(अ) लाघव चिह्न	☐	(ब) विस्मयादिबोधक चिह्न	3
4. सी०बी०एस०ई० –	(अ) लाघव चिह्न	3	(ब) योजक चिह्न	☐

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

18. मुहावरे और लोकोक्तियाँ

क. सही उत्तर पर (3) का चिह्न लगाइए–

1. 'एक पंथ दो काज' का अर्थ है–

(अ) अनेक कार्य करना	☐	(ब) एक साथ दो लाभ	☐
(स) एक साथ दो पथ ग्रहण करना	☐	(द) एक साधन से दो कार्यों की सिद्धि	3

2. 'नाकों चने चबवाना' का अर्थ है–

(अ) नाक में चोट लगना [ ] (ब) बहुत तंग करना [3]

(स) बहुत खुशामद करना [ ] (द) सबको चने देना [ ]

3. 'आँखों का तारा होना' का अर्थ है–

(अ) इकलौता बेटा होना [ ] (ब) आँख की रोशनी होना [ ]

(स) एकमात्र सहारा होना [ ] (द) बहुत प्यारा होना [3]

4. 'पीठ दिखाना' का अर्थ है–

(अ) हारकर भाग जाना [3] (ब) बिना काम का होना [ ]

(स) बेईमान हो जाना [ ] (द) मुँह न दिखाना [ ]

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. जिस वाक्यांश का प्रयोग किसी सांकेतिक अर्थ के लिए किया जाता है, उसे मुहावरा कहते हैं; जैसे– नौकरी लगने के बाद से तो विभोर ईद का चाँद हो गया है।
2. लोकोक्ति का अर्थ है–लोक + उक्ति अर्थात् लोगों द्वारा कही गई बात। लोकोक्ति को कहावत भी कहा जाता है। लोकोक्तियाँ जीवन के व्यापक अनुभव को सामान्य शब्दों के माध्यम से व्यक्त करती हैं।
3. मुहावरों ओर लोकोक्तियों के प्रयोग से भाषा सुंदर, सरस, रोचक और प्रभावशाली बन जाती है।

ग. दिए गए वाक्यों में रंगीन अंश की जगह उपयुक्त मुहावरा लिखकर वाक्य पुनः लिखिए–

1. आपे से बाहर होना। 2. शर्मिंदा होना। 3. अत्यधिक प्रसन्न होना

4. आँखों का तारा होना। 5. निश्चिंत होना।

घ. दिए गए मुहावरों के सही अर्थ चुनकर लिखिए–

1. कभी-कभी दिखाई देना। 2. कठिन परिश्रम करना। 3. जी ललचाना।

4. हरा देना। 5. अत्यधिक शोभा बढ़ाना।

ङ. निम्नलिखित लोकोक्तियों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. अत्यधिक दिखावा करने वाले कुछ नहीं करते।
2. एक पद के लिए एक हजार आवेदन आए हैं।
3. हम शिमला घूमकर भी आ गए और वहाँ से सेब लाकर उन्हें बेचकर पैसे भी कमा लिये।
4. रामानुजन जब दसवीं कक्षा में थे तो वो ग्रेजुएशन के सवाल मिनटों में हल कर देते थे। इसी को कहते हैं होनहार बिरवान के होत चिकने पात।
5. उनके झगड़े में विजय व्यर्थ ही अपनी टाँग अड़ा रहा है। इसे कहते हैं– आ बैल मुझे मार।

क्रियाकलाप

स्वयं करें।

19. अपठित गद्यांश

स्वयं कीजिए।

20. अनुच्छेद लेखन

स्वयं कीजिए।

21. कहानी लेखन

स्वयं कीजिए।

22. पत्र लेखन

स्वयं कीजिए।

23. निबंध लेखन

स्वयं कीजिए।